भारत सरकार **राज्य सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न संख्या 2195**

दिनांक 25 अप्रैल, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

सेवाओं के व्यापार में चुनौतियां

2195. **श्री हुसैन दलवई:** क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सेवाओं के व्यापार में भारत की क्या स्थिति है;

(ख) क्या सेवाओं के व्यापार में अनेक अवसर और चुनौतियों मौजूद है;

(ग) यदि हां, तो भारत इन अवसरों और चुनौतियों को किस प्रकार दोहन करने का विचार रखता है; और

(घ) इन चुनौतियों का सामना करने में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किस प्रकार सहायता करेगा?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा0 सिंधिया)

(क) डब्ल्यू टी ओ वेबसाइट में उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, निर्यातकों एवं आयातकों के सेवाओं की सूची में भारत का स्थान क्रमशः 6 और 7 पर आता है ।

(ख) और (ग): जी, हाँ । उपलब्ध अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय वार्ताओं का आयोजन किया जाता है । इन वार्ताओं का लक्ष्य है, तुलनात्मक लाभदायी क्षेत्रों में बाजार पहुँच बनाये रखना । इसके अलावा, चुनौतियों का सामना करना और उपलब्ध अवसरों का बेहतर ढंग से लाभ उठाने के लिए वाणिज्य सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर मंत्रालयीन दल (आई एम जी) का गठन किया गया है जो संस्तुति करने वाला एक निकाय है । इस दल के विचारार्थ विषयों में अन्य बातों के साथ-साथ हमारी सेवा निर्यातों को बढ़ाने और उनका विविधीकरण करने के लिए एक कार्यनीति तैयार करना शामिल हे ।

(घ) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश से पूंजी निवेश, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के आधुनिक तरीकों को अपनाकर आर्थिक वृद्धि को तेज करने में मदद मिलती है ।